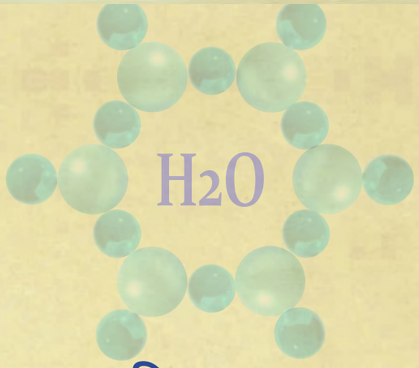

विश्व जल दिवस 2022

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने विश्व जल दिवस के अवसर पर 22 मार्च 2022 को "जल और उसके गुण" पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया इसके दौरान छात्रों ने इंटरेक्टिव तरीके से पानी के बुनियादी गुणों के बारे में सीखा। प्रतिभागियों को पानी के गुणों की व्याख्या करने वाले इंटरेक्टिव किट और प्रयोग दिखाए गए। छात्रों ने गुब्बारों का उपयोग करके पानी के अणु का मॉडल बनाया। कार्यशाला के बाद आगंतुकों के लिए हाइड्रो रॉकेट का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों और आम जनता के कुल 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

"हिमालय क्षेत्र में साहसिक कदम" विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान

केन्द्र ने 25 जनवरी, 2022 को "हिमालय साहसिक" विषय पर सूर्यकांत चिंतामन चाफेकर, एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) द्वारा लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया। वक्ता ने एक वायु-योद्धा के रूप में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने एक IAF पायलट की अथक भावना संबन्धित एक रोमांचक संस्मरण सुनाया। उन्होंने पूर्वी लद्दाख में स्थित 16700 फ़ीट की ऊंचाई पर दुनिया के सबसे ऊंचे हवाई क्षेत्र दौलत बेग ओल्डी पर विमान उतारने सहित ऊंचाई वाले हवाई क्षेत्र के संचालन के बारे में बात की। व्याख्यान का आयोजन Google मीट प्लेटफॉर्म पर किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक दर्शकों ने भाग लिया और स्पीकर के साथ बातचीत की। व्याख्यान को NSCD TV, YOUTUBE Channel, Facebook page, Google meet पर लाइव स्ट्रीम किया गया। इन माध्यमों द्वारा कुल 646 लोगों ने हिस्सा लिया।

संजीवनी

पुदीना

औषधि और आहार के लिए पुदीना का प्रयोग किया जाता है। पुदीना पहाड़ी इलाके में अधिक होता है। आयुर्वेद के अनुसार, पुदीना कफ और वात दोष को कम करता है, भूख बढ़ाता है, इस का प्रयोग शारीरिक कमजोरी दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। यह बुखार, पेट के रोग, लीवर आदि विकार को ठीक करने के लिए भी उपयोग में लाया जाता है। गर्मी में लू से बचने के लिए भी पुदीने का प्रयोग किया जाता है।

अंक-12 जनवरी-मार्च 2022

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली गतिविधियों की हिन्दी संक्षेपिका

विज्ञानोदय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र आप सभी को नये शैक्षिक वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ देता है।
राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली सदा की भाँति आपकी सेवा में अपने समस्त कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में निरत है साथ ही विज्ञानोस्तुक दर्शकों के साथ इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी लगातार सम्पर्क में है।
जागरूकता और कार्यवाई के माध्यम से, विज्ञान केन्द्र के उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान सम्बन्धी विशेष घटनाओं तथा विषयों को चिह्नित करने के लिए विशिष्ट दिनों, सप्ताह, को हम अवसरों के रूप में मनाते है। विगत तिमाही केन्द्र द्वारा अपने दर्शकों एवं सदस्यों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनका विवरण आप आगामी पृष्ठों पर प्राप्त करेंगे।
विश्व विज्ञान के क्षेत्र में नित नवीन प्रयोग एवं शोध कर रहा है उनसे प्रेरित हो कर यह केंद्र आपके लिए सृजनात्मक कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। आप सभी से अनुरोध है कि इन कार्यक्रमों में हिस्सा लें और साथ ही साथ कोरोना के नए वैरियंट के संक्रामण से बचें तथा भारत में चल रहे विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में भाग लें एवं सुरक्षित रहें।

डी. राम शर्मा

ऑनलाइन पोस्टर डिज़ाइन प्रतियोगिता

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उत्सव, आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गणतंत्र दिवस के अवसर पर ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया- प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने दिए गए विषय पर पोस्टर बनाकर गूगल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके उन्हें ऑनलाइन जमा किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के लगभग 311 प्रतियोगियों ने भाग लिया।

आफ्टर द डार्क-
स्काई ऑब्जर्वेशन कार्यक्रम

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने अपने उत्साही दर्शकों के लिए 20 फरवरी, 12-13 मार्च 2022 संध्या समय केंद्र परिसर में बच्चों, युवाओं तथा अभिभावकों को आमंत्रित कर **"आफ्टर द डार्क-स्काई ऑब्जर्वेशन"** प्रोग्राम का आयोजन किया। आगन्तुकों को दूरबीन के माध्यम से चंद्रमा और उसके क्रेटर्स दिखाए गए। केंद्र के शिक्षा विभाग के सदस्यों ने आगन्तुकों के जिज्ञासापूर्ण सवालों के जवाब दिए। कार्यक्रम में 400 से अधिक लोग शामिल हुए।

खगोल विज्ञान पर ऑनलाइन कार्यशाला

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने "खगोल विज्ञान में माप और गणना" विषय पर एक ऑनलाइन खगोल विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया। छात्रों ने आकाशीय पिंडों की दूरी और आकार मापने के लिए विभिन्न तकनीकों को सीखा। इंटरैक्टिव प्रयोगों का उपयोग करके सौर मंडल निकायों में आकार के अंतर को भी प्रदर्शित किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के कुल 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विश्व वानिकी दिवस

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने 21 मार्च 2022 को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। आगंतुकों के लिए "पेड़ों की पहचान" पर कार्यशाला, ऑनलाइन वानिकी प्रश्नोत्तरी और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभिन्न स्कूलों से प्रश्नोत्तरी और चित्रकला प्रतियोगिता में कुल 139 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान आगंतुकों ने एनएससी के औषधीय उद्यान का दौरा किया जहां उन्हें औषधीय पौधों की पहचान करने के तरीकों के बारे में बताया गया। उन्हें सामान्य बीमारियों में जड़ी-बूटियों के उपयोग के बारे में भी बताया गया।

कम लागत वाली शिक्षण सहायता सामाग्री के विकास पर कार्यशाला

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर 28 फरवरी 2022 को सेवा पूर्व शिक्षकों के लिए कम लागत वाली शिक्षण सहायता सामाग्री के विकास पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के दौरान आसानी से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करके कम लागत वाली शिक्षण सहायता सामग्री के विकास पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को जड़त्व, वायुदाब और ऊर्जा पर शिक्षण सहायक सामग्री के विकास में प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के कुल 70 शिक्षकों ने भाग लिया।

वायरस का मुकाबला करने के अभिनव तरीके

पर संगोष्ठी : राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने 24 जनवरी, 2022 को एक ऑनलाइन छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया इस संगोष्ठी में विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 11 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा मानव में वायरस और वायरल संक्रमण से निपटने के लिए विभिन्न तकनीकों पर अपने नवीन विचार प्रस्तुत किए।

रोबोटिक्स प्रोग्रामिंग पर ऑनलाइन कार्यशाला

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने 4 फरवरी 2022 को रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन किया। प्रतिभागियों को EV3 लीगो प्रोग्रामिंग का उपयोग करते हुए विभिन्न रोबोटिक्स किट का विवरण और प्रदर्शन दिया गया। कैस्टर बॉट और लाइन फॉलोअर रोबोट का प्रदर्शन भी किया गया। प्रतिभागी विभिन्न सेंसरों और किट से भी परिचित हुए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर "टिकाऊ कल के लिए वर्तमान में लैंगिक समानता" विषय पर चर्चा का आयोजन किया। इसका उद्देश्य महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना और आम जनता के बीच लैंगिक समानता में तेजी लाने के लिए कार्यवाई का आह्वान करना था। कार्यक्रम में केन्द्र की महिला स्टाफ सदस्यों और महिला आगंतुकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कुल 30 महिलाओं ने भाग लिया।

DCRUST में विज्ञान कार्निवल

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने 14 मार्च 2022 को दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल, हरियाणा द्वारा आयोजित विज्ञान कार्निवल में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रगति और उपलब्धियों की झलक दिखाना था। केंद्र ने सुपर कूल्ड शो और फन साइंस- शो में भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षणिक संस्थाओं के लगभग 1000 दर्शकों ने भाग लिया।

जैव प्रौद्योगिकी सत्र

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने 20 जनवरी, 2022 को जैव प्रौद्योगिकी सत्र (ऑनलाइन) का आयोजन किया। इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों को केन्द्र की जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला का वर्चुअल टूर कराया गया इस दौरान विद्यार्थियों ने जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला के बुनियादी प्रोटोकॉल सीखे और प्रयोगशाला के उपकरण देखे। विद्यार्थियों ने आसानी से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करके घर पर DNA निकालना सीखा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर "पृथ्वी को बचाने के लिए रेडियोधर्मी से हाइड्रोएक्टिव हरित ऊर्जा का युग !" विषय पर एक ऑनलाइन लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया। विशेषज्ञ डॉ. आर.के. कोटनाला, मुख्य वैज्ञानिक (पूर्व); एनपीएल, नई दिल्ली और अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड, (एनएबीएल), गुरुग्राम ने 28 फरवरी 2022 को पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए हाइड्रोइलेक्ट्रिक सेल का उपयोग करके पृथ्वी को बचाने के अभिनव तरीकों की व्याख्या की- भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा हरित ऊर्जा नवाचार। व्याख्यान सह वार्ता को एनएससीडी टीवी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर भी लाइव स्ट्रीम किया गया । पूरे देश में लगभग 100 लोग Google मीट पर बातचीत में शामिल हुए और बड़ी संख्या में लोगों ने इसे केंद्र के YouTube चैनल पर लाइव देखा।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विज्ञान सर्वत्र पूज्यते: मेगा साइंस एक्सपो

भारत सरकार द्वारा स्वतंत्रता के 75 वर्षों में भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय तथा विज्ञान प्रसार जैसी वैज्ञानिक संस्थाओं के साथ साझेदारी में इस 'महोत्सव' को विज्ञान और प्रौद्योगिकी को जनसाधारण तक ले जाने के अवसर के रूप में उपयोग किया गया। विज्ञान सर्वत्र पूज्यते शीर्षक के अन्तर्गत मेगा साइंस एक्सपो द्वारा हमारी वैज्ञानिक विरासत और प्रौद्योगिकी कौशल को प्रदर्शित किया।

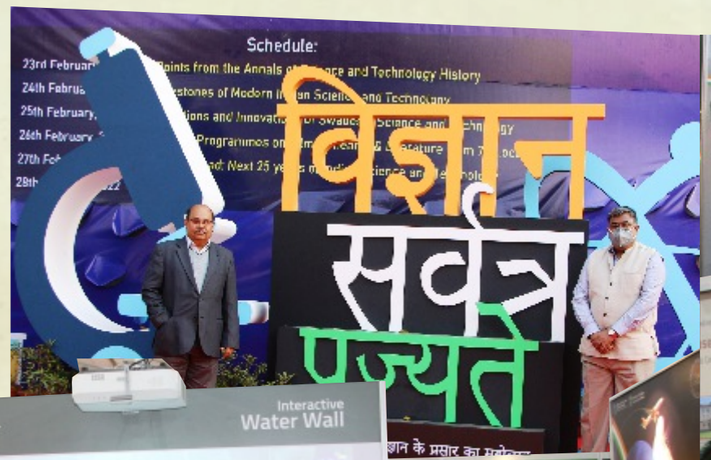

यह कार्यक्रम भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय और संस्कृति मंत्रालय के नेतृत्व में DST, DBT, CSIR, MOES, DOAE, DOS, ICMR, AICTI और DRDO द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। पूरे देश में 75 स्थानों पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस विज्ञान सप्ताह के हिस्से के रूप में, 22 से 28 फरवरी 2022 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के मैदान में एक मेगा एक्सपो और पुस्तक मेला आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 22 फरवरी 2022 को भारत सरकार के संस्कृति मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, दिल्ली ने NCSM की ओर से विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया जिसमें भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों संबन्धित 51 पैनल शामिल थे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उपलब्धि, इंटरैक्टिव प्रदर्शन और विज्ञान शो खास आकर्षण का केन्द्र रहे। सप्ताह पर्यंत चलने वाले इस कार्यक्रम ने 'महोत्सव' में बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया, 15000 से अधिक दर्शकों ने NCSM मण्डप का दौरा किया और इंटरैक्टिव तरीके से विज्ञान सीखा।

नवप्रवर्तन महोत्सव2022

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने 25 और 26 मार्च 2022 को दो दिवसीय नवप्रवर्तन महोत्सव का आयोजन किया। महोत्सव का उद्घाटन 25 मार्च 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के क्लस्टर इनोवेशन सेंटर के निदेशक प्रो. दीनबंधु साहू ने किया। उन्होंने **'विज्ञान, प्रौद्योगिकी और जीवन को प्रभावित करने वाले नवाचार'** विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान भी दिया। उत्सव हेतु विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कला, शिल्प तथा रोबोटिक्स के क्षेत्र से 26 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

उत्सव में 5 कंपनियों ने अपने अभिनव कार्यों का प्रदर्शन किया। विशेषज्ञों के एक दल ने उनके द्वारा प्रदर्शित कार्यों का मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया। मेक इट एट साइंस सेंटर श्रेणी में प्रदर्शित 7 प्रविष्टियाँ के माध्यम से कलाकारों ने चित्रकला, मूर्तिकला और स्क्रैप से निर्माण में रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। मेले में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व सामान्य दर्शक पहुंचे और लाभान्वित हुए। इस कार्यक्रम को डिजिटल मीडिया में प्रकाशित किया गया।